www.krishipravahika.vitalbiotech.org

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2022) वर्ष 2, अंक 8, 6-8

Article ID: 203

भंडारगृह मे लगने वाले मुख्य कीट तथा उनके उपाय

चंद्र कान्त, ध्रुव सिंह, सुशांत कुमार एवं अनम खान

सोध छात्र, कीट विज्ञान विभाग
स. व. प. कृषि एवं प्रौधोगिक विश्वविद्यालय, मेरठ -250 110

आधुनिक तकनीकी से कृषि के उत्पादन मे बहुत अधिक वृद्धि हुई है। लेकिन भंडारण की उचित व्यवस्थ न होने की वजह से कड़ी मेहनत से कमाई फसल उत्पादों को नमी, फफूंदी, कीट-पतंगों, और चूहों द्वारा नस्ट कर दिया जाता है। जिससे अनाज की गुड़वाकता मे कमी आ जाती हैं, जिससे किसान को फसलों का बाजार मे उचित मूल्य नहीं मिल पता है। विश्व मे हर वर्ष लगभग एक तिहाई (1/3) भाग अनाज भंडारण की उचित प्रबंध न होने की वजह से नस्ट हो जाता है । अधिकतर कीट अनाज, दालों व उनकी फलियों मे खेत मे ही अपने अंडे दे देते हैं जिससे कीड़े भंडार गृह में आसानी से पहुंच जाते हैं । इसके अलावा उपर्णों वा पुरानी बोरियों और यहाँ तक कि अनाज की ढुलाइ करने वाले वाहनों के जरिये भी कीट भंडार गृह में पहुंच जाते हैं और अनाज को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। इसके अलावा यदि अनाज भंडारण गृह की दीवार अथवा फर्स छतिग्रस्त हों तो कीट इनके जरिये भी आसानी से भंडारगृह के अंदर पहुँच कर अनाज को भारी नुकसान पहुँचा सकते हैं।

भंडारगृह मे लगने वाले प्रमुख कीट-

1. छोटा धान्य बेधक (Lesser Grain Borer)

यह भंडारगृह का बहुत ही हानिकारक कीट है। इसकी मादा लगभग 500 अंडे देती है। अंडों से सूण्डी लगभग 3 मि.मी. लम्बी, गंदे से सफेद रंग की होती है। तथा वयस्क 3 मिमी. तथा गहरे भूरे, हल्का वेलनाकार का बीटल है। इसका सर इसके वक्ष मे धसे हुए था ऊपरी परत खुरदुरा तथा चमकदायर होता हैं। इसकी सूण्डी और प्रौढ दोनो ही अनाज को अंदर-अंदर टेढ़े-मेंढ़े छेद कर के नुकसान पहुंचाते हैं।

e-ISSN: 2583 - 0430
कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

2. चावल का घुन (Rice Weevil)

घुन का वयस्क गहरे भूरे रंग का लम्बा व बेलनाकार तथा धड़ पे बहुत महीन गड्ढा होता है। इसके सिर की बनावट आगे की तरफ लम्बी सूण्ड जैसी होती है। घुन मादा दाने में छोटा छिद्र बनाकर उसमें लाभग 300-400 अन्डा देती है। घुन 13% अद्रता , 27C° तापमान पर भी अपना जीवन चक्र पूरा कर सकता है। इसके अंडे 3 दिन मे सूण्डी निकलने के बाद दाने को अन्दर से नुकसान पहुचाती है। चावल के घुन की सूण्डी तथा वयस्क दोनो ही अनाजों को नुकसान पहुंचाते हैं. परन्तु सूण्डी वयस्क की तुलना मे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। इस कीट का प्रकोप पूरे दाने पर होता हैं। यह कीट दानों को अंदर से खोखला कर देता है। घुन गेहूं, चावल, जौ, जाई, मक्का आदि को नुकसान पहुंचाता है।

अगर आप भंडारण गृह में गंदगी रखते हैं, तो वहाँ बहुत जल्दी कीट पैदा हो जाते हैं।

3. गेहूं का खपरा (Khapra Beetle)

इस कीट की सूण्डी ही अकेली नुकसान पहुंचाती है. यह कीट सामान्यतः वर्ष भर नुकसान पहुंचाते हैं. परन्तु अधिक नुकसान जुलाई से अक्टूबर महीने में करते हैं. इसकी सूण्डी दाने के भ्रूण वाले भागों को खाती है. ये दाने के अन्दर प्रवेश नहीं करते, बाहर वाले भाग में ही नुकसान करते हैं. इसका प्रौढ़ स्लेटी भूरे रंग का होता है. इसका शरीर अंडाकार, सिर छोटा और सिकुड़ने वाला होता है. यह भी गेहूं, चावल, मक्का, ज्वार, जौ आदि को नुकसान पहुंचाते हैं.

4. दालो का घुन (Pulse Beetle)

इस कीट का प्रकोप खेत और भण्डार गृह दोनों जगह होता है इस कीट की सूण्डी नुकसान पहुंचाती है. जब फसल खेत में होती है तब ही इसका प्रकोप शुरु हो जाता है. मादा फलियों के ऊपर अण्डे देती है. अण्डे से सूण्डी निकलती है तो यह फली में छेद करके प्रवेश कर जाती है तथा दानों को खाती रहती है. अनाज को लंबे समय तक रखने से खराब होने लगता है इसलिए अनाजों में कीड़े या घुन लगने लगते है।

सावधानियाँ :

- अनाज का भंडारण करने से पहले अनाज के दानों को धूप में अच्छी तरह से सुखा कर साफ कर लें।
- जिस जगह आप अनाज का भंडारण कर रहे हैं वह नमीमुक्त होनी चाहिए।
- भंडारण से पहले ध्यान रखें कि दाने साफ हों व टूटेफूटे न हों। पुराने अनाज में नया अनाज न मिलाएँ।
- जहां अनाज का भंडारण कर रहे हैं, उस जगह की दीवारों में अगर दरारें या छेद हों, तो अनाज रखने से पहले उन्हें सीमेंट से भर दें और पुताई करा दें। ताकि चूहों आदि के जाने-आने का रास्ता न बन पाए। इसका एक फायदा ये होगा कि भंडार गृह नमी से मुक्त रहेगा।
- प्लास्टिक का कंटेनर अनाज रखने के लिए उपयुक्त रहता है। जिस स्थान पर आप कंटेनर रख रहे हैं, वहां पहले चारकोल बिछा लें। इससे अनाज कीड़ों से सुरक्षित रहेगा।
- भंडार गृह में पुराने बोरों का प्रयोग करना है, तो इन्हें 1% मैराथियान के घोल में 10 मिनट तक डूबो दें और सुखा कर प्रयोग करें।
- भंडार गृह में रखे अनाज की हर 15 दिन के अंतराल में देखरेख करते रहें। अनाज के बोरों को दीवारों से दूर रखें।
- चावल का भंडारण करने के लिए पहले नीम की पत्तियों को छाया में सुखा लें और फिर कंटेनर में नीचे रख दें। फिर चावल भर कर उसके ऊपर और पत्तियां रख दें। इससे कीड़े होने की संभावना कम हो जाती है।
- चने, छोलों और गेहूं को धूप में सुखाया जा सकता है। लेकिन चावल को धूप में न सुखाएं। दाल का 2-3 महीने तक भंडारण करने से पहले उस पर सरसों के तेल की मालिश करें और फिर धूप में सुखाएँ। गेहूं को सुरक्षित रखने के लिए उसमें प्याज भी मिलाया जा सकता है। एक क्विन्टल गेहूं में आधा किलो प्याज मिलाएं।
- रासायनिक जहर जैसे मेथाइल ब्रोमाइड को हवा रोधक डिब्बे मे रखे अनाज में रख कर बंद करे इसकी जहरीली गैस डिब्बे मे उपस्थित सभी कीटों को मार देगी। तथा इसका प्रयोग बहुत ही सावधानी से करें क्यूँ की यह बहुत ही जहरीला होता है।
- मैगनिसियम फॉस्फाइड तथा एल्यूमीनियां फॉस्फाइड की 3 गोली प्रति टन के हिसाब से डेले तथा डिब्बे को अछि तरह से बंद कर दें जिसे निकालने वाली जहरीली गैस (फास्फीन) बाहर न जाए।